कार्नेलिया का गीत

प्रश्न 1. 'कार्नेलिया का गीत' कविता में प्रसाद ने भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया हैं ?

उत्तर : 'कार्नेलिया का गीत' कविता में प्रसाद जी ने भारत की निम्नलिखित विशेषताओं की ओर संकेत किया है –

(i) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य अद्‌भुत है। प्रसाद जी ने इसे मधुमय कहा है।

(ii) भारत की भूमि पर सूर्य की पहली किरणें पड़ती हैं।

(iii) इस देश में अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय प्राप्त हो जाता है।

(iv) भारतवर्ष के लोगों के हृदय दया, करुणा एवं सहानुभुति की भावना से ओत–प्रोत रहते हैं।

(v) भारतवर्ष में सभी के सुखों की कामना की जाती है।

(vi) भारतीय संस्कृति महान एवं गौरवशाली है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. 'उड़ते खग' और 'बरसाती आँखों के बादल' में क्या विशेष अर्थ व्यंजित होता है ?

उत्तर : 'उड़ते खग' जिस दिशा में जाते हैं, वह देश भारतवर्ष है। यहाँ पक्षियों तक को आश्रय मिलता है। इससे विशेष अर्थ यह व्यंजित होता है कि भारत सभी शरणार्थियों की आश्रयस्थली है। यहाँ सभी को आश्रय मिल जाता है। यहाँ आकर लोगों को शांति और संतोष का अनुभव होता है। अनजान को सहारा देना हमारे देश की विशेषता है।

'बरसाती आँखों के बादल' से यह विशेष अर्थ ध्वनित होता है कि भारतवर्ष के लोग दया, करुणा और सहानुभूति के भावों से ओत–प्रोत हैं। यहाँ के लोग दूसरे के दुखों को देखकर द्रवित हो उठते हैं और उनकी आँखों से आँसू बरसने लगते हैं।

प्रश्न 3. काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए –

Scanned with CamScanner

'हेम कुंभ ले उषा सवेरे–भरती ढुलकती सुख मेरे
मदिर ऊँघते रहते जब–जगकर रजनी भर तारा।'

उत्तर : इन काव्य–पंक्तियों में प्रकृति के उषाकालीन वातावरण की सजीव झाँकी प्रस्तुत की गई है।

'उषा' का पनिहारिन के रूप में **मानवीकरण** किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि उषा रूपी स्त्री आकाश रूपी कुएँ से अपने सुनहरे कलश (सूर्य) में मंगल जल लेकर आती है और इसे लोगों के सुखी जीन के रूप में लुढ़का देती है। इससे सारे वातावरण में सुनहरी आभा बिखर जाती है। तब तक तो लोगों पर रात की मस्ती ही चढ़ी रहती है। तारे भी ऊँघते प्रतीत होते हैं।

- उषाकालीन सौंदर्य साकार हो उठा है।
- 'उषा' का मानवीकरण किया गया है।
- सर्वत्र **रूपक अलंकार** की छटा है।
- 'तारे' का भी **मानवीकरण** है।
- गेयता एवं संगीतात्मकता का सुखद प्रभाव है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 4. 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि भारतवर्ष एक ऐसा महान देश है जहाँ अनजान व्यक्तियों को भी आश्रय प्राप्त हो जाता है। यहाँ आकाश में उड़ते पक्षी तो सहारा पाते ही हैं, इसके साथ–साथ दूसरे देशों से आए हुए अनजान लोगा भी सहारा पा जाते हें। भारतवासी विशाल हृदय वाले हैं। ये सभी को स्वीकार कर लेते हैं। यहाँ आकार विक्षुब्ध एवं ब्याकुल लोग भी अपार शांति एवं संतोष का अनुभव करते हैं। अनजान लोगों को सहारा देना भारवर्ष की विशेषता है। सही मायने में यही भारत की पहचान है।

Scanned with CamScanner

का सहारा देना [illegible]

प्रश्न 5. प्रसाद जी शब्दों के सटीक प्रयोग से भावाभिव्यक्ति को मार्मिक बनाने में कैसे कुशल हैं ? कविता से उदाहरा देकर सिद्ध कीजिए।

उत्तर : प्रसाद जी शब्दों का सटीक प्रयोग जानते हैं। वे शब्दों के बाजीगर है। शब्दों के सटीक प्रयोग के माध्यम से वे अपने कथ्य की भावाभिवक्ति को मार्मिक बना देते हैं। उनकी इस कला से हृदय के भाव मार्मिकता के साथ उभरते हैं। उदाहरण प्रस्तुत हैं –

आह! वेदना मिली विदाई
\+ \+ \+
लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करुणा हा–हा खाती
\+ \+ \+
बरसाती आँखों के बादल–
बनते जहाँ भरे करुणा जल।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 6. कविता में व्यक्त प्रकृति–चित्रों को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : इस कविता में बताया गया है कि हमारा देश भारत प्राकृतिक सुषमा एवं सौंदर्य का भंडार है। सूर्योदय के समय सरोवरों में कमल के फूल खिलकर चारों ओर अपनी आभा बिखेर देते हैं। इन पर सूर्य की किरणें नृत्य करती सी प्रतीत होती हैं। सूर्य की लालिमा मंगल कुंकुम बिखेरती सी लगती है। छोटे–छोटे पंखों को फैलाए पक्षी हवा के सहारे उड़ते जाते हैं। ये पक्षी छोटे–छोटे इंद्रधनुष से प्रतीत होते हैं। उषाकाल में सूर्य का गोला हेमकुंभ (सोने के घड़े) जैसा प्रतीत होता है। सूर्य की किरणें लोगों के जीवन में सुख ढुलकाती लगती हैं।

Scanned with CamScanner